Virtual Training cum Demonstration Programme onMedicinal and Edible Mushroom Cultivation

To celebrate '*Azadi Ka Amrit Mahotsav'* and also on the occasion of Mushroom Day, which is celebrated every year on 15 October, an online training*cum* demonstration programme on **'Medicinal and Edible Mushroom Cultivation'** was organized on 23rd Oct, 2021 by Forest Pathology Discipline, Forest Research Institute, Dehradun. More than 100 participants from Uttaranchal University, Alpine Institute, Dolphin P.G. Institute ofBiomedical and Natural Sciences, Doon P.G. College and FRI (deemed to be) University, Dehradun joined the programme. The Director General, ICFRE, Shri Arun Singh Rawat inaugurated the training program and stressed upon the need for large-scale mushroom cultivation owing to its high nutrient and medicinal potential. The virtual training programme was one of its kind as it was a step-wise live demonstration of Oyster and *Ganoderma* cultivation. Entrepreneurs such as Sh. Gursharan Bajwa, M.D. of Doon Eagle Pvt. Ltd. and Shri Pramod Chaurasiya, Director, Krishi Van Doon Pvt. Ltd were the special invitees who shared their commercial products, ventures and experiences with the participants.Benefits of mushroom consumption, important edible and medicinal mushrooms, cultivation techniques includingspawn preparation, substrate treatment, bag preparation, spawn mixing, harvesting, utilization and common contaminants of mushrooms were discussed. In this training program Dr. Amit Pandey, Dr. Vipin Prakash, Dr. Shailesh Pandey, Ms. Ranjana Juwantha, Dr. Manoj Kumar and Shri Santosh were the resource persons from Forest Pathology Discipline of FRI.

औषधीय और खाद्य मशरूम की खेती पर वर्चुअल प्रशिक्षण सह प्रदर्शन कार्यक्रम

'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए और मशरूम दिवस के अवसर पर, जो हर साल 15 अक्टूबर को मनाया जाता है, 23 अक्टूबर, 2021 को वन रोग शाखा, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा 'औषधीय और खाद्य मशरूम की खेती' पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सह प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया । उत्तरांचल विश्वविद्यालय, अल्पाइन संस्थान, डॉल्फिन पी.जी. जैव चिकित्सा और प्राकृतिक विज्ञान संस्थान, दून पी.जी. कॉलेज और एफआरआई सम विश्वविद्यालय, देहरादून के 100 से अधिक प्रतिभागी कार्यक्रम में शामिल हुए। महानिदेशक, आईसीएफआरई, श्री अरुण सिंह रावत ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उच्च पोषक तत्व और औषधीय क्षमता के कारण बड़े पैमाने पर मशरूम की खेती की आवश्यकता पर बल दिया। आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रम अपनी तरह का एक अनूठा कार्यक्रम था क्योंकि यह ओस्टर और गैनोडरमा की खेती का चरणबद्ध लाइव प्रदर्शन था। उद्यमी जैसे श्री. गुरशरण बाजवा,एमडी,दून ईगल प्राइवेट लिमिटेड और श्री प्रमोद चौरसिया, निदेशक, कृषि वन दून प्रा० लिमिटेड विशेष आमंत्रित वक्ता थे जिन्होंने प्रतिभागियों के साथ अपने वाणिज्यिक उत्पादों, उद्यमों और अनुभवों को साझा किया। मशरूम की खपत के लाभ, महत्वपूर्ण खाद्य और औषधीय मशरूम, स्पॉन तैयार करने सहित खेती की तकनीक, सब्सट्रेट उपचार, बैग तैयार करना, स्पॉन मिश्रण, कटाई, उपयोग और मशरूम के सामान्य दूषित पदार्थों पर चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. अमित पाण्डेय, डॉ. विपिन प्रकाश, डॉ. शैलेश पाण्डेय, सुश्री रंजना जुवांठा, डॉ. मनोज कुमार और श्री संतोष वन रोग शाखा,एफआरआई से प्रमुख वक्ता थे।

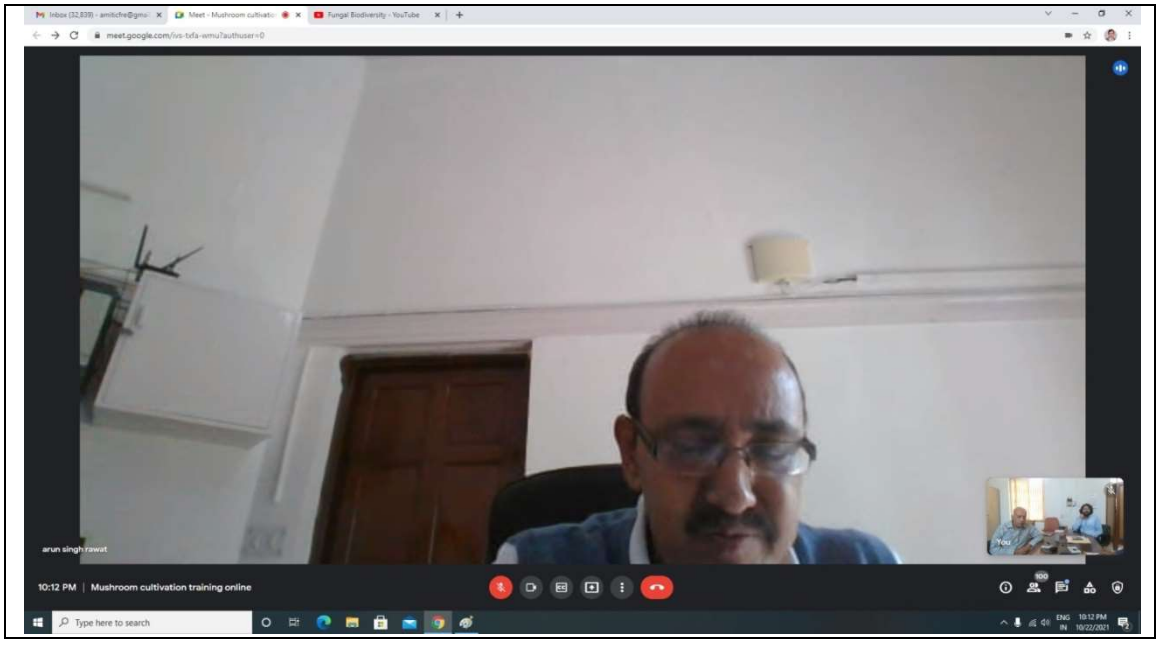

Inauguration of virtual training cum demonstration programme on “Medicinal and Edible Mushroom Cultivation”by Sh. A.S. Rawat, Director General, ICFRE, Dehradun

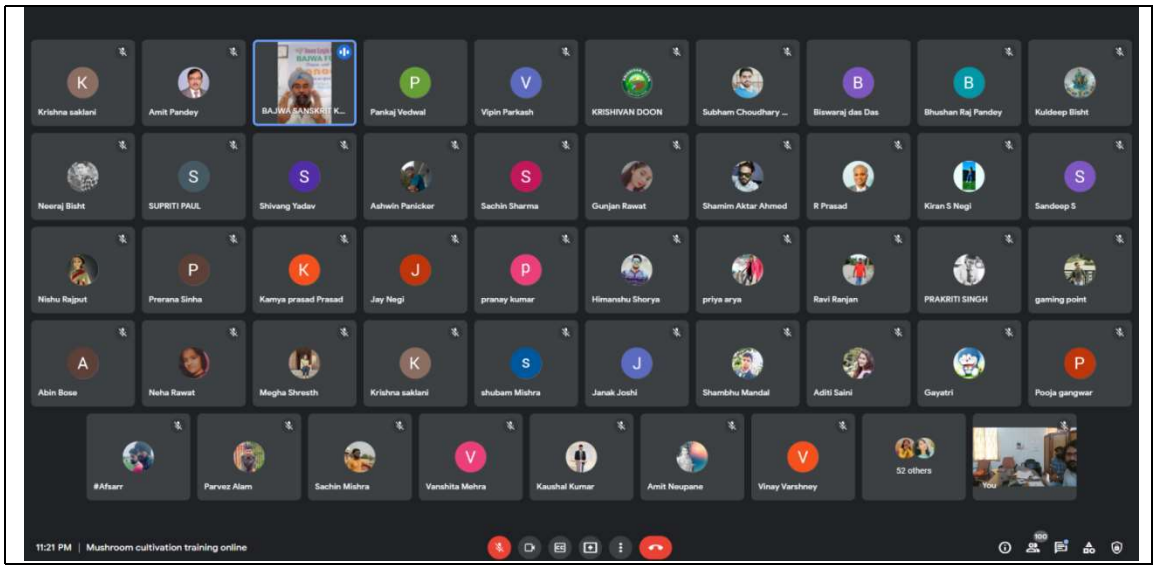

More than 100 participants joined the training programme

Online live demonstration of edible and medicinal mushroom cultivation